

23 Aug 2020

शिक्षा पर ई-लर्निंग का प्रभाव

पवनेश कुमार, शिक्षा विभाग, सिंधानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी, झुंझुनू (राजस्थान)

सारांश

ई-लर्निंग ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है। इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल उपकरणों और ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों को किसी भी स्थान और समय से अध्ययन करने की सुविधा प्राप्त हुई है। इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षा पर ई-लर्निंग के प्रभाव का विश्लेषण करना है। ई-लर्निंग विद्यार्थियों को वीडियो व्याख्यान, डिजिटल पुस्तकें, ऑनलाइन परीक्षाएँ, इंटरैक्टिव सामग्री और वर्चुअल कक्षाओं जैसी विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी सीखने की गति के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं तथा कठिन विषयों को डिजिटल संसाधनों की सहायता से बार-बार समझ सकते हैं। शिक्षकों के लिए भी ई-लर्निंग पाठ्य सामग्री साझा करने, विद्यार्थियों की प्रगति का मूल्यांकन करने और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करने में उपयोगी है। इसके अतिरिक्त, ई-लर्निंग दूरस्थ क्षेत्रों तथा ऐसे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की पहुँच बढ़ाने में सहायक हो सकता है, जिन्हें पारंपरिक कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित होना कठिन होता है। हालांकि, इंटरनेट की सीमित उपलब्धता, डिजिटल उपकरणों की लागत, तकनीकी समस्याएँ, डिजिटल साक्षरता की कमी तथा विद्यार्थियों में प्रत्यक्ष सामाजिक संपर्क की कमी जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। प्रभावी ई-लर्निंग के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री, प्रशिक्षित शिक्षक, विश्वसनीय तकनीकी infrastructure और उचित मार्गदर्शन आवश्यक है। निष्कर्षतः, ई-लर्निंग पारंपरिक शिक्षा का महत्वपूर्ण पूरक बनकर शिक्षण और अधिगम को अधिक लचीला, सुलभ और तकनीक-आधारित बना सकता है।

मुख्य शब्द: ई-लर्निंग, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, शिक्षण-अधिगम, शैक्षिक तकनीक, विद्यार्थी, डिजिटल संसाधन, वर्चुअल कक्षा।

